केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 67 शुक्रवार 26 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

लालगंज मामले के खुलासे की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में मासूम बालिका की हत्या, दुराचार मामले के खुलासा की मांग को लेकर भीम युवा वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद के नेतृत्व में पीड़ित के पिता के साथ गुरुवार को भूख हड़ताल के लिये पहुंचे। एडिशनल एसपी ने उन लोगों से ज्ञापन लेकर आश्वासन दिया कि भूख हड़ताल न करें मामले का शीघ्र खुलासा करा दिया जायेगा।

सोनू राव, अजय राव उर्फ प्रमोद आदि ने लालगंज पुलिस मासूम बालिका की हत्या मामले का खुलासा कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया। कहा कि पुलिस ने डीएन सेम्पल भी लिया किन्तु न्याय नहीं मिला। उल्टे न्याय की मांग करने पर पुलिस द्वारा उत्पीड़न की कार्रवाई किया जाता है।

ज्ञापन देने के दौरान भीम युवा वाहिनी के मंडल अध्यक्ष अवनीश प्रभात, संदीप गौतम, जितेन्द्र प्रसाद, , सुरेन्द्र कुमार, इन्द्रावती, रीना देवी आदि शामिल रहे।

मकान कब्जा करने की साजिश, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र की हाल मुकाम सोनहा निवासिनी विद्यावती पत्नी टिकोरी लाल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में विद्यावती ने कहा है कि वह मुण्डेरव थाना क्षेत्र के हल्लौर नगरा की मूल निवासिनी है। उसकी मां जुग्गी देवी पत्नी स्वर्गीय बरसाती के मकान व आराजी पर पंजीकृत वसीयतनामे के आधार पर काबिज है। लेखपाल ने गणेश पुत्र विश्राम से नाजायज लाभ लेकर गलत ढंग से घरौनी बना दिया और उसका नाम न दर्ज करके एक औरत पियारी जो बाबा सन्तोषी के साथ रहती थी उसका नाम डाल दिया। विद्यावती मायके में रहती है इसलिये गणेश पुत्र विश्राम जो अध्यापक पद पर कार्यरत हैं अपनी दबंगई व धन के बल पर लेखपाल को साजिश में करके घरौनी में पियारी का नाम गलत ढंग से दर्ज करा दिया। गत 24 अगस्त को गणेश ने कहा कि यह मकान छोड़ दो यह मेरी माता सावित्री उर्फ संवारी के नाम हो गय है। तुम्हारा कुछ नहीं है। विद्यावती ने इसकी सूचना थाने पर दिया। डीएम को पत्र लिखा, पुलिस ने उसे पुनः मकान में कब्जा दिलवाया किन्तु घर में रखा जेवर आदि को गायब करा दिया। शिकायत करने पर मारा पीटा।

विद्यावती ने एसपी से मांग किया है कि कलवारी पुलिस को निर्देशित किया जाय कि उसके जान माल और सम्पत्ति की रक्षा कराने के साथ ही न्याय दिलाया जाय।

सोनम वांगचुक के एनजीओ का विदेशी फंडिंग लाइसेंस रद्द

लेह (आभा)। सरकार ने लद्दाख के प्रमुख कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा संचालित गैर–लाभकारी संगठन (एनजीओ) का एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया है। इसका कारण संगठन द्वारा एनजीओ के लिए निर्धारित विदेशी फंडिंग संबंधी कानूनों का 'बार–बार' उल्लंघन बताया गया है। यह फैसला वांगचुक के नेतृत्व में लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश से पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भड़के हिंसक आंदोलनों के ठीक 24 घंटे बाद किया गया है। हालांकि अभी तक वांगचुक की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया है।

गौरतलब है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित एक संस्थान के खिलाफ विदेशी फंडिंग के कथित उल्लंघन की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह जांच कुछ समय से चल रही है, लेकिन अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। वांगचुक ने बताया था कि लगभग 10 दिन पहले सीबीआई की एक टीम एक आदेश लेकर हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख (एचआईएएल) पहुंची थी, जिसमें गृह मंत्रालय की शिकायत पर एफसीआरए उल्लंघन के संबंध में कार्रवाई का उल्लेख था।

दरअसल, सोनम वांगचुक पर आरोप है कि उन्होंने कानून का उल्लंघन करते हुए गैर–लाभकारी संस्था के एफसीआरए खाते में 3.35 लाख रुपये जमा कराए। एसईसीएमओएल ने स्पष्ट किया कि यह राशि एक पुरानी बस की बिक्री से प्राप्त हुई थी। संस्था ने बचाव में कहा कि चूंकि बस एफसीआरए फंड से खरीदी गई थी, इसलिए बिक्री की आय को उसी खाते में वापस जमा कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इस तर्क को माना नहीं।वहीं, जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और खाद्य सुरक्षा से जुड़े 'युवा जागरूकता' कार्यक्रमों के लिए एक स्वीडिश दानदाता द्वारा दिए गए 4.93 लाख रुपये के फंड पर भी सवाल खड़े किए गए।

बाबू शिव गुलाम शहीद स्थल पर चला स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को 17 सितम्बर से 2अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान के की कड़ी में साऊघाट विकासखंड के ग्राम पंचायत पैडा के बाबू शिव गुलाम जी के शहीद स्थल पर पुष्प अर्पित कर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई किया गया। साऊघाट विकासखंड के ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने बताया कि स्वच्छता अभियान से पूर्व जागरूकता रैली निकाली गई जो क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से गुजरी। इसके बाद बाबू शिव गुलाम जी के शहीद स्थल पर साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कहा

–स्वच्छता अभियान से सबको जुड़ना होगा–अभिषेक कुमार

कि स्वच्छता अभियान से सबको जुड़ना होगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही अनेक भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वच्छता अभियान चलाते हैं, उनसे प्रेरणा लेकर हमें आगे बढना होगा।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष कमेंद्र चौहान, जिला मंत्री भाजपा विनय यादव , ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र, विश्वनाथ के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हेमन्त दास महाराज का फूल मालाओं से स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। गुरूवार को अयोध्या धाम से चलकर परमपूज्य हेमंतदास जी महराज सिद्ध पीठ हनुमानगढी के पुजारी हेमन्त दास महाराज का पैड़ा वाले बाबा गोविन्द महाराज जी के नेतृत्व में बड़े वन के निकट फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। वे एक धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने मेंहदावल जा रहे थे। पुजारी हेमन्त दास महाराज ने उपस्थित लोगों से सनातन धर्म की मजबूती का आवाहन किया। कहा कि नवरात्रि पर्व पर लोगों तक सनातन का संदेश पहुंचाया जाय।

पुजारी हेमन्त दास महाराज का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष स्नेह पाण्डेय राष्ट्रीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष मननमोहन त्रिपाठी, आकाश आर्य , संदीप पाण्डेय, वशिष्ठ मुनि दीपक राय, राज आर्य, ह्रदेश पाण्डेय, विनोद निषाद ,करन, सुनील, सोनू चौहान प्रिंस सिंघानिया, शनि, दुर्गेश, अभय राज, अनिल, अनीश, सन्तोष के साथ ही अनेक विशिष्ट जन शामिल रहे।

कांग्रेस ने शुरू किया वोट चोर–गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की अध्यक्षता में पार्टी नेताओं की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिले में 'वोट चोर–गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई । यह अभियान जिले के सभी मंडलों, ब्लॉकों, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में एक साथ चलाया जायेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर साक्ष्यों के साथ देश के सामने अपनी बात रखी थी। इसके बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर देशभर में गंभीर बहस छिड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र को हाईजैक करने की सुनियोजित कोशिश की जा रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता इसका पर्दाफांश करेंगे।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और राष्ट्रपति को भेजे जाने वाले मांग पत्र पर हस्ताक्षर कराएंगे। इस मांग पत्र में मशीन–रीडेबल वोटर लिस्ट को सार्वजनिक करना, जोड़े और हटाए गए मतदाताओं की फोटो सहित सूचियां जारी करना, एक सुलभ शिकायत निवारण प्रणाली लागू करना और मतदाताओं के दमन में शामिल अधिकारियों व एजेंटों पर कानूनी कार्रवाई जैसे मुद्दे शामिल किए गए हैं।

–वोट चोरी का पोल खोलेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता– विश्वनाथ

जिलाध्यक्ष ने कहा कि यूपी लोकसभा चुनाव नतीजों में गठबंधन दलों ने सत्ता पक्ष को लगभग धराशायी कर दिया था, इसके बावजूद वे सरकार बनाने से वंचित रह गए, जो वोट चोरी का स्पष्ट संकेत है। इस संदेश को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों के घर–घर जाकर जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही कांग्रेस के नीति, कार्यक्रम से लोगों को जोड़ेंगे।

'वोट चोर–गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत के दौरान मुख्य रूप से बृजेश कुमार आर्य, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, राम धीरज चौधरी, शिव विभूति मिश्रा, श्रवण पाण्डेय, राहुल चौधरी, शेर मोहम्मद, लालजीत पहलवान, राम बचन भारती, राम पुरन चौधरी , आनंद कुमार, मोहम्मद अशरफ अली, सर्वेश शुक्ला, शोभित चौधरी, लक्ष्मी यादव, दूधनाथ पटेल, चंद्रशेखर वर्मा, रामबाबू कल्पू, अफजल हुसैन, उमेश उपाध्याय, विश्वजीत, राम सिंह, बृजभान कनौजिया, दुर्गेश चौधरी, संजय कुमार प्रशांत वर्मा के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विवाहिता के अपहरण का प्रयास एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र की कछुवाडे निवासिनी मधु पत्नी अजीत ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में मधु ने कहा है कि उसकी ससुराल के लोग उसे दहेज के लिये मारते–पीटते थे, इसकी शिकायत पर सास, ससुर, पति, ननद और झिन्गेपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया। इससे नाराज होकर झिन्गेपाल द्वारा उसकी हत्या का कई बार प्रयास किया जा चुका है। गत 22 सितम्बर को वह जब कचहरी से घर आ रही थी तो झिन्गेपाल ने बोलोरो गाडी में जबरिया बिठाकर अपहरण का प्रयास किया। शोर मचाने पर राहगीरों ने उसकी जान बचाया।

लालगंज थाना क्षेत्र की कछुवाडे निवासिनी मधु पत्नी अजीत ने एसपी को पत्र देकर झिन्गेपाल, उनके भाई पप्पू पाल पुत्रगण रामनरेश के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने के साथ ही अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

प्रभारी मंत्री ने किया विकास योजनाओं की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्राविधिक, शिक्षा एवं उपभोक्ता मामलें मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं सभी महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें। मा. मंत्री ने जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय से और पारदर्शी तरीके के साथ पँहुचाया जाय। उन्होने यह भी कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी समस्त योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को युद्ध स्तर पर दिया जाय। आम जनमानस की सेवा ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। पात्र आम जनमानस के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही, भ्रष्टाचार या उदासीनता बर्दास्त नही की जायेंगी। उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। उन्होने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाय।

खैर सोसायटी का मामलाः जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रबंधक मसीहुज्जमा का हस्ताक्षर प्रमाणित करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । खैर इण्डस्ट्रीयल इन्सटीट्यूशनल सोसायटी/ खैर इण्टर कालेज बस्ती के प्रबंधक मसीहुज्जमा ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र देकर अध्यक्ष का हस्ताक्षर प्रमाणित किये जाने की मांग किया है जिससे उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश का अनुपालन हो सके।

पत्र में कहा गया है कि नियत प्राधिकारी उप जिलाधिकारी बस्ती सदर ने मसीहुज्जमा के प्रबन्धन समिति को वैध घोषित किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक बस्ती ने बिना प्रबंधक मसीहुज्जमा को सुने एक पक्षीय आदेश पारित किया गया था उसे 17 सितम्बर 2025 को उच्च न्यायालय इलाहाबाद की एकल पीठ ने स्थगन आदेश दे दिया। इसके पूर्व प्रबंधक हमीदुल्लाह द्वारा विद्यालय में 21 शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी जो शासनादेश दिनांक 12–3–2018 के विरुद्ध था, उसे भी उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने अवैधानिक एवं अनियमित मानते हुये नियुक्ति को अवैध मानते हुये खारिज कर दिया गया। नियुक्ति के सम्बन्ध में शासन स्तर पर जांच हो रही है।

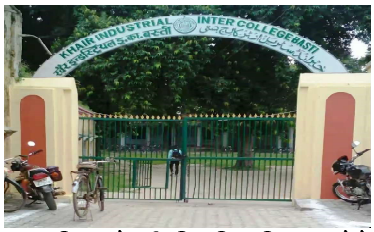

–21 शिक्षकों की नियुक्ति निरस्त होने के बाद तूल पकड़ने लगा है मामला

इस प्रकरण में उप जिलाधिकारी सदर बस्ती ने अपने आदेश में कहा है कि मुश्ताक अहमद खान की मृत्यु के बाद मसीहुज्जमा कार्य भार संभाल रहे हैं। आदेश की प्रति रजिस्टर एवं चिट्स फण्ड गोरखपुर को भेजा गया है। इसके बावजूद जिलाविद्यालय निरीक्षक द्वारा मसीहुज्जमा का हस्ताक्षर प्रमाणित न किये जाने के कारण समस्यायें उत्पन्न हो रही है।

इस सम्बन्ध में खैर इण्डस्ट्रीयल इन्सटीट्यूशनल सोसायटी के प्रबंधक मसीहुज्जमा ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र देकर मांग किया है कि आदेशों का पालन करते हुये उनके हस्ताक्षर को प्रमाणित किया जाय जिससे कार्य सुचारू रूप से चल सके।

भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के पुलिसिया पिटाई का मामला गरमाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन को लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथपुर गांव में हुई नाबालिग दलित बालिका की निर्मम हत्या मामले में सिविल लाइन्स चौकी इन्चार्ज अजय सिंह द्वारा मारने पीटने, जेल भेजवा देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गुरूवार को बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के लोग जुटे और मांग किया कि चौकी इन्चार्ज अजय सिंह के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही एससीएसटी का मुकदमा दर्ज कराते हुये निलम्बित किया जाय। अपनी मांगो को लेकर डीएम कार्यालय की ओर जाते समय प्रशासन ने उन्हें बड़े वन के निकट ही रोक दिया। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला प्रभारी राम सुमेर यादव के नेतृत्व में आयोजित आन्दोलन के दौरान जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। चेतावनी दी गई कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई न किया तो चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। घटना को लेकर सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलो के नेताओं में आक्रोश है।

ज्ञापन में सिविल लाइन्स चौकी इन्चार्ज अजय सिंह को निलम्बित कर गैर जनपद स्थानान्तरण कराये जाने, भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन को मारने–पीटने के मामले में मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई की मांग किया गया है। बहुजन मुक्ति पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद, मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम, जिलाध्यक्ष बुद्धेश राना, भारत मुक्ति मोर्चा महिला जिलाध्यक्ष सरिता भारती, सपा नेता रितिक कुमार, अंकुर गौतम आदि ने ज्ञापन देने के पूर्व चेतावनी दिया गया कि यदि दोषी दारोगा अजय सिंह के विरुद्ध कार्रवाई न हुई तो पुनः आन्दोलन किया जायेगा। कहा कि न्याय के लिये आवाज उठाने पर पुलिसिया दमन बर्दास्त नहीं किया जायेगा। जिला प्रशासन दोषी दारोगा अजय सिंह के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई करे। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन को सम्बोधित ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से राम औतार पासवान, विनय कुमार, रूपचन्द, दुर्गेश कुमार, मौलहु प्रसाद, दया निधि आनन्द, रामकुमार, उमेश कुमार, अजय, हरिप्रसाद साहनी, राम आशीष, रामसागर, अखिलेश्वरी, चंद्रावती, प्रमिला, सोनी, कुसुम लता, चंद्र प्रकाश गौतम, सुशीला, सुनीता भारती, उषा देवी, लीलावती, नंदिनी के साथ ही अनेक राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को ऑल इण्डिया फार्मासिस्ट फेडरेशन द्वारा प्रेस क्लब सभागार में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने फार्मासिस्टों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि सरकार प्रदेश के प्रशिक्षित फार्मासिस्टों को अवसर दे तो स्वास्थ्य सेवाओं को बदहाली से बचाया जा सकता है। एक तरफ तो सरकार संविदा के चिकित्सकों से जैसे–तैसे काम चला रही है वहीं लगभग तीन लाख 70 हजार से अधिक फार्मासिस्ट बेरोजगार है। उन्हें तत्काल सेवाओं से जोड़कर स्थितियों को संभाला जा सकता है। फार्मासिस्टों को प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टर के रूप में उनकी नियुक्ति की जाय जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को सुधारा जा सके। कहा कि 2007 के बाद से अभी तक नियुक्तियां न निकालकर सरकार फार्मासिस्टों के हितों की खुली अनदेखी कर रही है। यदि शीघ्र समस्याओं का समाधान न हुआ तो फेडरेशन प्रदेश व्यापी आन्दोलन को बाध्य होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. खालिद रिजवान अहमद ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अभिन्न अंग के साथ ही डाक्टर और मरीज के बीच की मजबूत कड़ी हैं। इनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान निकाला जाना चाहिये।

गोष्ठी को राष्ट्रीय महासचिव डा. मनोज कुमार पाण्डेय, फेडरेशन जिलाध्यक्ष डा. पवन कुमार पाण्डेय, डा. मनोज कुमार चौधरी, जफर अहमद अंसारी, राम महेश चौधरी, आदि ने सम्बोधित करते हुये फार्मासिस्टों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये एकजुटता पर जोर दिया। डा. सुधाशु मिश्र, शैलेन्द्र पाण्डेय, पी.के. पाण्डेय, अमरनाथ सिंह आदि ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों के लिये स्पष्ट नीति बनाये जाने की जरूरत है। वर्षो तक प्रशिक्षण के बाद उनकी नियुक्ति न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि दुखियों की सेवा फार्मासिस्टों का धर्म है। फार्मासिस्टों को उनका अधिकार मिलना चाहिये। सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्टों की मानक के अनुरूप नियुक्ति के साथ ही संख्या के अनुरूप उसकी समीक्षा की जानी चाहिये।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जय प्रकाश मौर्या, दुर्गेश गुप्ता, मो. असलम, विनोद कुमार, श्याम प्रकाश शर्मा, बी.एन. शुक्ल, श्याम नरायन चौधरी, संदीप कुमार, गंगाराम, मधुर प्रकाश, रामजीत यादव, विकास चौहान, संघ प्रिय गौतम, सौरभ पाण्डेय, सुधांशु मिश्र, मोहित साहू, अनिल कुमार चौधरी, रामतेज गुप्ता, रामकरन पटेल, मनोज गुप्ता, चन्द्रजीत यादव, हर्ष कालरा, घनश्याम शर्मा, आदर्श वर्मा, रवि विश्वकर्मा, विवेकानन्द पाण्डेय, मो. अशरफ, अजीत श्रीवास्तव के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट एवं सामाजिक संगठनो के लोग उपस्थित रहे।

–फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अभिन्न अंग–डा. खालिद रिजवान अहमद

टेट अनिवार्यता के विरोध में जारी है शिक्षकों का हस्ताक्षर अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । टेट की अनिवार्यता को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिक्षकों का आन्दोलन चरणबद्ध ढंग से जारी है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 24 दिवसीय राष्ट्र व्यापी आन्दोलन में क्षेत्रीय अध्यक्ष, मंत्री और पदाधिकारी प्रतिदिन एक–एक न्याय पंचायत के शिक्षकों का हस्ताक्षर करा रहे हैं। हस्ताक्षरित ज्ञापन ई मेल आई.डी. के माध्यम से राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और बेसिक शिक्षा मंत्री को भेजा जा रहा है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि हरैया में ब्लाक अध्यक्ष सन्तोष कुमार शुक्ल, संगठन मंत्री मो. सलाम के नेतृत्व में 26, परशुरामपुर में ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा, मंत्री राजीव पाण्डेय के नेतृत्व में 21, दुबौलिया में जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रामपाल चौधरी, मंत्री त्रिलोकीनाथ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार के संयोजन में 41, बहादुरपुर ब्लाक अध्यक्ष रीता शुक्ला, जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल के नेतृत्व में 15, बनकटी में नवीन कुमार के नेतृत्व में 37, रामनगर अध्यक्ष इन्द्रसेन के नेतृत्व में 14, गौर में जिला संगठन मंत्री ओकार उपाध्याय के नेतृत्व में 15 शिक्षकों के हस्ताक्षर कराये गये। शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। हस्ताक्षर अभियान 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा, सघ पदाधिकारी विद्यालयों में जाकर हस्ताक्षर करा रहे हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 सितम्बर 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

लद्दाख में हिंसा

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि, हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय–समय पर विरोध ा प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध ा में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू–कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधि ायों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था,लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू–कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अध ूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है।

जम्मू–कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृ ति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू–कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था। लेकिन अब इस पर आनाकानी की जा रही है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल–जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है।

मोदी के तख्तापलट की चीनी साजिश

—अभिनव आकाश—

चीन भारत के साथ रिश्तों को सुधारने की कोशिश तो कर रहा है, अगर फौरी तौर पर देखें तो ऐसा ही कुछ फिल गुड सिचुएशन नजर आएगा। लेकिन चीन की मंशा को लेकर स्ट्रैटजिक एक्सपर्ट हमेशा भारत को आगाह और सचेत करते रहे हैं। चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसके पीछे1962 वाली घटना का भी जिक्र किया जाता है। हिंदी–चीनी भाई–भाई की आड़ में दगाबाजी का खंजर चीन के द्वारा भारत की पीठ पर घोंपा गया था। चीन ने भारत पर हमला किया और आज भी हमारी 38–39 हजार स्क्वायर किलोमीटर जमीन पर कब्जा जमाए बैठा है। चीन ने ऐसी ही कोशिश 2020 में भी की। कोरोना नामक महामारी से हैरान–परेशान दुनिया इसके इलाज तलाह रही थी। लेकिन मक्कार चीन इसकी आड़ में भारत की जमीन को हथियाने की कोशिश की। नतीजन गलवान घाटी में ड्रैगन के नापाक मंसूबों के आगे हिंद की सेना मजबूती के साथ डट खड़ी हुई।

वियतनाम युद्ध के बाद पहली बार इसमें चीन की पीएलए को शहादत झेलनी पड़ी। हालांकि इस झड़प में भारत के सैनिक भी शहीद हुए। कुल मिलाकर कहे कि अगर जानकार चीन पर भरोसे की बात को लेकर हमेशा आगाह करते रहते हैं, वो अपनी जगह बिल्कुल ठीक भी है। चीन की साजिशों को बहुत ही अच्छी तरह से समझने वाले अब तिब्बत सरकार के पूर्व राष्ट्रपति तिब्बत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. लोबसांग सांगे ने कुछ ऐसे खुलासे किए हैं जो बिल्कुल चौंकाने वाले हैं।

उनका कहना है कि चीन की चालें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है। बल्कि सीधे भारत की सत्ता पर वार करने लगी है। उनका ये कहना है कि दिल्ली स्थित चीनी दूतावास न केवल भारतीय नेताओं और पत्रकारों को साधने की कोशिश कर रहा है, जिनमें यूट्यूबर्स भी शामिल हैं। उनके सहारे मोदी सरकार के तख्तापलट करने की साजिश रची जा रही है। चीनी दूतावास इस कोशिश में है कि मोदी सरकार का तख्तापलट किया जाए और इसके लिए वो कई तरह के षड़यंत्र रच रहे हैं। मीडिया का भी इसमें इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें कई बड़े पत्रकार समेत कई यूट्यूबर्स शामिल हैं। सारे दावे तिब्बत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. लोबसांग सांगे ने एक इंटरव्यू के दौरान किए हैं।

पत्रकारों को प्रभावित करने, बड़े बड़े बिजनेसमैन को भी लालच दिया जा रहा है। मीडिया में पैसा डालकर नैरेटिव को बदलने का खेल बीजिंग खेल रहा है। भारत के पड़ोस पर नजर डालेंगे तो चीन के पैसों से कुछ सरकारें खड़ी हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका जैसे देश इसका उदाहरण हैं। बीजींग का खेल सिर्फ व्यापार नहीं है बल्कि इसकी आड़ में सत्ता पलटने का भी खेलता है। ऐसा ही खेल वो भारत में भी खेलने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि कैसे नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान में चीन ने सत्ताधारी वर्गों को अपने पक्ष में किया है। उनके शब्दों में ये एलीट कैप्चर की मिसाल है। डॉक्टर सांगे ने ये भी बतायाकि ये रणनीति दक्षिण एशिया से आगे तक फैली है। उन्होंने कहा कि मैंने यूरोप में ऐसे मंत्री देखे हैं जिन्होंने चीन की तारीफ की और बाद में चीनी कंपनियों में डायरेक्टर्स और वह 100,000 डॉलर से लेकर 888,000 डॉलर तक की सालाना तनख्वाह पर। डॉक्टर सांगे ने भारत के सभी दलों के नेताओं, व्यापारियों और पत्रकारों को अलर्ट रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि चीन को फर्क नहीं पड़ता कि वह किसे खरीदता है, जब तक वह उनके एजेंडे को आगे बढ़ाता है।

डॉ. सांगे ने आगे तर्क दिया कि बीजिंग के प्रभावकारी अभियान भारत को नियंत्रित करने के उसके व्यापक भू–राजनीतिक लक्ष्य से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि चीन मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल का समर्थन क्यों कर रहा है? वे भारत पर हमला करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को क्यों रोक रहे हैं? क्योंकि वे भारत को घेरना चाहते हैं और दक्षिण एशिया पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। चीन के आर्थिक प्रभाव की तुलना राजनीतिक चालाकी से करते हुए, उन्होंने भारत के व्यापार घाटे पर प्रकाश डाला। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत चीन से 113 अरब डॉलर का सामान खरीदता है, लेकिन केवल 14 अरब डॉलर का बेचता है। यह 99 अरब डॉलर का घाटा है। इसका मतलब है कि भारत में कम कारखाने, कम विनिर्माण और कम नौकरियाँ होंगी। चीन के साथ जुड़ाव न केवल असंतुलित है, बल्कि खतरनाक भी है।

डॉ. सांगे ने हेनरी किसिंजर के उस लोकप्रिय सिद्धांत पर भी निशाना साधा कि चीन के साथ व्यापार से उसका लोकतंत्रीकरण होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम ने 30 साल तक इसी भ्रम में निवेश किया। लोकतांत्रिक बनने के बजाय, चीन और अधिक विरोधी हो गया है। मुझे उम्मीद है कि भारत यह गलती नहीं दोहराएगा। बहरहाल, सीमा पर पहले से ही तनाव चरम पर है, ऐसे में डॉ. सांगे के शब्द एक भयावह चेतावनी हैं कि चीन की भारत के लिए चुनौती सिर्फ सैन्य ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और आर्थिक भी है।

बंजर भूमि पर हो प्राकृतिक खेती

—उमेश चतुर्वेदी—

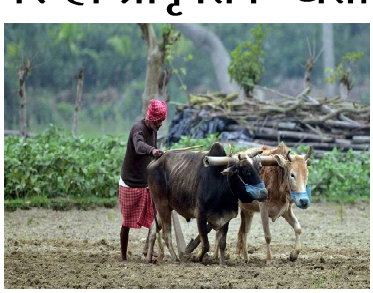

देश में खेती की जमीन घट रही है या बढ़ रही है, इसे लेकर दो तरह की बातें की जा रही है। एक वर्ग का मानना है कि देश में खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि जिस तरह शहरीकरण बढ़ रहा है, खासकर उपजाऊ जमीनों पर शहरों का निर्माण हो रहा है, उससे लगता तो नहीं कि खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लोकसभा में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2018–19 में जहां 180624 हजार हेक्टेयर जमीन पर खेती होती थी, वह साल 2021–22 में बढ़कर 219158 हजार हेक्टेयर हो गई है। इससे तो हमें खुश होना चाहिए। क्योंकि चीन जैसे देश अपने यहां खेती योग्य जमीन की कमी को लेकर चिंतित हैं।

लेकिन एक और रिपोर्ट आई है, लैंड यूज स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लैंस 2012–13 टू 2021–22। इस रिपोर्ट का कहना है कि कहती है, 2018–19 से 2021–22 तक खेती योग्य जमीन का दायरा घटकर 180.62 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 180.11 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। यह रिपोर्ट राज्यों को सुझाती है कि औद्योगिक और निर्माण गतिविधियों आदि के लिए वे बंजर भूमि का उपयोग करें। संविधान के मुताबिक, भारत में भूमि राज्य सूची का विषय है। इसलिए राज्यों पर इसके लिए दबाव नहीं बनाया जा सकता। लेकिन दिल्ली, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि के विकास को देखने से पता चलता है कि भारी मात्रा में खेती योग्य और बेहद उपजाऊ जमीन अब कंक्रीट के जंगल में बदल चुकी है। शायद यही वजह है कि अब बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने को लेकर मांग उठने लगी है।

भारत में कुल 14 करोड़ हेक्टेयर पर नियमित खेती होती है। आज खेती की जो हालत है, जिस तरह उसमें कीटनाशकों और रासायनिक खादों का इस्तेमाल बढ़ा है, उसकी वजह से खेती की मिट्टी भी खराब हो चुकी है। अब कैंसर, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के लिए विशेषज्ञ रासायनिक खाद और कीटनाशक युक्त खेती को भी जिम्मेदार बता रहे हैं। पंजाब के बठिंडा से राजस्थान के जोधपुर के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन को कैंसर ट्रेन इसीलिए कहा जाने लगा है, क्योंकि इसमें ज्यादातर यात्री जोधपुर के कैंसर अस्पताल में अपना इलाज कराने जाते हैं। जाने वाले खेती की उपज के लिए मशहूर पंजाब राज्य के लोग होते हैं। इसी लिए अब प्राकृतिक, जैविक या नो बजट खेती की मांग बढ़ रही है। इस खेती के जरिए होने वाली उपज को स्वास्थ्य वर्धक माना जाने लगा है। लेकिन खेती की मौजूदा जमीन को सुधारना एक दिन का काम नहीं है और उसे सुधारने में बहुत वक्त लगेगा। इसलिए अब मांग होने लगी है कि भारत में जो वर्जिन लैंड यानी बंजर जमीन है, उसे तैयार करके उस पर प्राकृतिक और जैविक खेती करने के लिए अनुमति मिलनी चाहिए। वैसे देश की करीब 40 फीसद आबादी अपनी आजीविका के लिए बंजर भूमि पर निर्भर है। ज्यादातर यह आबादी मुख्यत: ग्रामीण है, अशिक्षित भी है या फिर इसमें हाशिए के लोग शामिल हैं। इस सिलसिले में दिल्ली में पांच अगस्त को पूरे दिनभर का सेमिनार भी हुआ, जिसमें राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और कृषि उत्पादक और कारोबारी भी शामिल हुए। हर वर्ग का मानना था कि ऐसा किया जाना भारत के स्वास्थ्य, हाशिए पर पड़े लोगों की हैसियत सुधारने और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के श्वंजर भूमि एटलस (2019) के अनुसार, देश में लगभग 55.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 16.96 प्रतिशत है।अगर उचित उपचार किया जाए तो लगभग 50: बंजर भूमि उपजाऊ बन सकती है। इस एटलस के अनुसार राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और पश्चिम बंगाल की बंजर भूमि में सकारात्मक बदलाव आया है और उनमें से अधिकांश को कृषि भूमि, वृक्षारोपण और औद्योगिक क्षेत्रों आदि बनाने के लिए बदला जा रहा है। यहां जान लेना चाहिए कि जो भूमि खाली पड़ी है, अनुपादक है, या जिसका पूरी क्षमता से उपयोग नहीं हो रहा हो, जिसकी उत्पादकता कम है, आमतौर पर उसे बंजर माना जाता है। उदाहरण के अनुसार, बंजर भूमि में क्षरित वन, जलभराव वाली दलदली भूमि, पहाड़ी ढलान, अपरदन वाली घाटी, अतिचारित चारागाह और सूखाग्रस्त चारागाह शामिल हैं।

1985 में स्थापित राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड यानी एनडब्ल्यूडीबी, के अनुसार बंजर भूमि को क्षरण की सीमा के आधार पर निम्नलिखित समूहों में बांटा गया है। इसमें पहली श्रेणी में सांस्कृतिक बंजर भूमि आती है, जिसका कई वजहों से फिलहाल उपयोग नहीं हो रहा, लेकिन यह भूमि उचित उपचार के बाद उपजाऊ हो सकती है। जैसे झूम खेती वाली भूमि, क्षरित चरागाह और चरागाह भूमि, क्षरित वन भूमि, क्षरित गैर–वनीय वृक्षारोपण भूमि, पड़ीदार भूमि, रेतीले क्षेत्र, खनन और औद्योगिक बंजर भूमि, नाले और बीहड़ भूमि, जलभराव और दलदली भूमि, और लवण प्रभावित भूमि इस दायरे में आती है। दूसरी श्रेणी कृषि–अयोग्य बंजर भूमि कही जाती है। इसमें वह जमीन आती है, जिसका अभी उपयोग नहीं हो रहा है, और किसी भी हालत में उपजाऊ नहीं हो सकती या यहां पेड़–पौधे नहीं उग सकते। इस श्रेणी में पथरीली, तीव्र ढलान वाली और बर्फ से ढकी जमीन आती है। कृषक समुदायों के लिए खतरों अनुमान है कि भारतीय जनसंख्या का 61.5: ग्रामीण है और कृषि पर निर्भर है, और देश में 57.8: ग्रामीण परिवार कृषि परिवार हैं। इसलिए, भूमि क्षरण कृषक समुदायों की स्थायी आजीविका सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। क्षरित और बंजर भूमि को पुन: प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपाय आवश्यक हैं ताकि सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनुपयोगी होते जा रहे क्षेत्रों को पुन: प्राप्त करके और उत्पादन क्षमता के और नुकसान को रोककर पुन: प्राप्त किया जा सके। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भूमि संसाधन सीमित हैं।

यह कार्यक्रम 1989–90 से क्रियान्वित है। इसे 1995 से जलग्रहण विकास के लिए जारी नए दिशानिर्देशों के आधार पर क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें एक आधार–से–ऊपर दृष्टिकोण, अर्थात् सामुदायिक भागीदारी दृष्टिकोण की परिकल्पना की गई है। इसकी ताकत स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं, गैर–सरकारी संगठनों सरकारी विभागों और स्थानीय समुदायों को शामिल करके निर्णय लेने की प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण में निहित है। नए दिशानिर्देश जलग्रहण विकास निधि की स्थापना करके और समता संबंधी मुद्दों और उपभोक्ता अधिकार तंत्रों के निर्णय में लोगों को शामिल करके स्थायी परियोजनाओं को सुनिश्चित करने का भी प्रयास करते हैं।

वैसे बंजर भूमि को उपजाऊ और विकसित बनाने के लिए सरकारी स्तर पर कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ऐसी ही योजना है। इसके तहत मृदा अपरदन को रोकने, प्राकृतिक वनस्पति को पुनर्जीवित करने, वर्षा जल का संचयन करने और भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए मिट्टी, वनस्पति आवरण और पानी जैसे खराब प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, संरक्षण और विकास के जरिए पारिस्थितिकीय संतुलन बहाल करने की तैयारी की जा रही है।

नवरात्रि, प्रसाद और पालन–पोषण

— डॉ प्रियंका सौरभ—

नवरात्रि, भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल नौ दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह भक्ति, संयम, स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। नवरात्रियों के दौरान भक्त अपने घरों और मंदिरों में देवी दुर्गा की पूजा करते हैं और भोजन तथा खान–पान पर विशेष ध्यान देते हैं। हलवा–पूरी, चने की दाल, फल और अन्य पारंपरिक व्यंजन इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखते हैं। इन व्यंजनों का स्वादिष्ट और पवित्र होना उन्हें एक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बनाता है। हालांकि, इस पवित्र परंपरा के बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता हैरू क्या नवरात्रियों में बनाए जाने वाले ये व्यंजन केवल मानव उपभोग के लिए ही सुरक्षित हैं, या इन्हें हमारे पवित्र मित्र, जैसे गाय, को भी दिया जा सकता है? यह प्रश्न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

नवरात्रियों में हलवा–पूरी का प्रसाद मुख्य रूप से गेहूं के आटे, घी और चीनी से तैयार किया जाता है। इसके स्वाद और सुगंध से भक्त आनंदित होते हैं और इसे देवी की भक्ति का प्रतीक मानते हैं। हलवा–पूरी का आनंद लेना न केवल उत्सव का हिस्सा है, बल्कि यह पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत करता है। हालांकि, इसके स्वास्थ्य पहलू पर ध्यान देना भी उतना ही जरूरी है।

इंसानों के लिए हलवा–पूरी सीमित मात्रा में ऊर्जा और संतोष प्रदान करती है। परंतु, अत्यधिक मात्रा में इसे खाना पाचन समस्याएँ, वजन बढ़ना और अन्य स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। नवरात्रियों के दौरान लोग अक्सर फल, हल्का सात्विक भोजन और दूध जैसी चीजों का सेवन करते हैं, ताकि शरीर और मन दोनों को शुद्ध किया जा सके। इसलिए, हलवा–पूरी का सेवन संयमित और सोच–समझकर होना चाहिए।

अब सवाल उठता है कि क्या गाय को भी हलवा–पूरी दी जा सकती है। हिंदू धर्म में गाय को अत्यंत पवित्र माना गया है। इसे माता का दर्जा प्राप्त है और धार्मिक ग्रंथों में उनकी सेवा और संरक्षण का विशेष महत्व बताया गया है। लेकिन, गायों का पाचन तंत्र इंसानों से भिन्न होता है। वे मुख्य रूप से हरी घास, चारा, भूसा और अनाज पर निर्भर करती हैं। घी, चीनी और मैदा जैसी भारी और मीठी चीजें उनके लिए हानिकारक हो सकती हैं। हलवा–पूरी में मौजूद अत्यधिक घी और चीनी उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इससे दस्त, अपच और अन्य जठरांत्र संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

यहाँ पर संतुलन की आवश्यकता स्पष्ट होती है। नवरात्रियों का उद्देश्य न केवल आस्था और भक्ति है, बल्कि पशुओं और प्रकृति के साथ सह–अस्तित्व बनाए रखना भी है। श्रद्धा और सुरक्षा एक साथ चल सकते हैं। गायों के स्वास्थ्य के लिए हलवा–पूरी देना सही नहीं है, और उन्हें प्राकृतिक चारा, हरी घास और फल देना सर्वोत्तम विकल्प है। धार्मिक दृष्टि से, श्रद्धा का वास्तविक अर्थ यही है कि हम अपनी आस्था का पालन करते हुए भी विवेक का उपयोग करें।

पारंपरिक दृष्टि से, नवरात्रियों में प्रसाद वितरण केवल मानव उपभोग तक सीमित होना चाहिए। ऐसा करने से धार्मिक आस्था का पालन होता है और पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित रहती है। कई मंदिर और धार्मिक स्थल इस संतुलन को बनाए रखते हुए अपने प्रसाद में केवल फल, हरी पत्तियाँ और सूखा अनाज देते हैं। इससे गायों को पोषण मिलता है और उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है।

सांस्कृतिक दृष्टि से यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय परंपरा में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। धार्मिक ग्रंथों और लोक कथाओं में उनका संरक्षण, सम्मान और सेवा विशेष रूप से उल्लेखित है। अगर हम नवरात्रियों में श्रद्धा और परंपरा का पालन करते हुए गायों के स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं, तो हम उनकी सुरक्षा और पालन–पोषण के सिद्धांतों के प्रति उत्तरदायी नहीं रह पाते। यह एक ऐसा मामला है जहाँ धर्म और विज्ञान का संतुलन आवश्यक है।

शिक्षा और जागरूकता इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। धार्मिक आयोजकों, मंदिरों और परिवारों को यह समझना आवश्यक है कि उनके द्वारा दिया जाने वाला प्रत्येक प्रसाद केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि अगर पशु उसमें सम्मिलित हैं, तो उनके लिए भी सुरक्षित होना चाहिए। स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, ताकि लोग समझ सकें कि हलवा–पूरी गायों के लिए सुरक्षित नहीं है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी यह मानते हैं कि गायों को इंसानों के खान–पान से अलग रखना उनके दीर्घकालीन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। घी, चीनी और तेल से बनी चीजें उनके जठरांत्र प्रणाली में समस्याएँ पैदा कर सकती हैं। इसलिए नवरात्रियों के दौरान पारंपरिक प्रसाद का आनंद केवल इंसानों के लिए ही लेना चाहिए। इससे धार्मिक आस्था भी बनी रहती है और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

नवरात्रियों में हलवा–पूरी का महत्व केवल स्वाद या परंपरा तक सीमित नहीं है। यह भक्ति, सामूहिक उत्साह और परिवार के साथ समय बिताने का माध्यम भी है। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि श्रद्धा का अर्थ केवल परंपरा निभाना नहीं है, बल्कि इसमें विवेक और समझदारी भी शामिल होनी चाहिए। गायों और अन्य पालतू पशुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रसाद का वितरण किया जाना चाहिए।

अध्ययन और अनुभव बताते हैं कि धार्मिक आयोजनों में पशुओं की अनदेखी करने से न केवल उनका स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि समाज में जागरूकता की कमी भी उजागर होती है। इसलिए, नवरात्रियों में पशु सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य दोनों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। इससे हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी दोनों पूरी होती हैं।

इस परंपरा के माध्यम से हम बच्चों को भी एक महत्वपूर्ण शिक्षा दे सकते हैं। उन्हें यह सिखाया जा सकता है कि धार्मिक पर्व केवल उत्सव और आनंद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इसमें विवेक, जिम्मेदारी और सह–अस्तित्व का भी संदेश छिपा है। बच्चे जब यह सीखते हैं कि हलवा–पूरी केवल इंसानों के लिए है और गायों को प्राकृतिक चारा दिया जाता है, तो वे अपने जीवन में भी संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।नवरात्रियों का संदेश यही है कि आस्था, संयम और विवेक को एक साथ अपनाया जाए। पारंपरिक व्यंजनों और प्रसाद का आनंद लेते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हमारे चार–पाँव वाले मित्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सर्वोपरि है। अगर हम यह संतुलन बनाए रखते हैं, तो नवरात्रियों का उत्सव और भी अर्थपूर्ण और सुखदायक बन जाता है।यह याद रखना चाहिए कि नवरात्रियों का वास्तविक उद्देश्य केवल खाने–पीने और उत्सव का आनंद नहीं है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि श्रद्धा और विवेक साथ–साथ चल सकते हैं।

शौचालय का दरवाजा खोलते ही एक–एक कर निकलीं 40 लड़कियां, अंदर का नजारा देखकर एसडीएम भी दंग

संवाददाता–बहराइच। जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस और प्रशासनिक टीम के साथ अफसर जब अवैध मदरसे का निरीक्षण करने पहुंचे तो यहां नजारे ने एक बार सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। जैसे ही शौचालय का दरवाजा खोला गया तो सभी दंग रह गए। अंदर से एक–एक करके नाबालिग लड़कियां निकलने लगीं। सभी लड़कियां नाबालिग थीं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मदरसे को तत्काल बंद कराने तथा बच्चियों को सुरक्षित उनके घर भिजवाने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल पयागपुर तहसील क्षेत्र की एक तीन मंजिला इमारत में अवैध तरीके से मदरसे का संचालन हो रहा था। मदरसे में कुछ अनर्गल तरीके से काम होने की शिकायत मिली थी। पयागपुर तहसील के उप जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पांडे ने बताया कि वह शिकायत के आधार पर अपनी टीम के साथ पहलवारा गांव में तीन मंजिला भवन पर संचालित अवैध मदरसे का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया, श्मदरसा संचालकों ने पहले तो हमें ऊपर जाने से रोका। पुलिस बल की मौजूदगी में जब हमने मदरसे में प्रवेश किया तो छत पर बने शौचालय का दरवाजा बंद मिला। महिला पुलिस बल ने दरवाजा खुलवाया तो अंदर का नजारा दंग कर देने वाला था। शौचालय में छिपी 40 बच्चियां एक–एक कर बाहर आने लगीं। सभी की उम्र नौ से 14 वर्ष के बीच है।

बच्चियां सहमी हुई थीं और कुछ बता नहीं पा रही थीं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहम्मद खालिद ने बताया कि बच्चियां शौचालय में क्यों बंद थीं, इस सवाल पर मदरसे की शिक्षिका तकसीम फातिमा ने बताया कि वे अचानक हुए निरीक्षक के चलते मची अफरातफरी से डरकर खुद ही शौचालय में जाकर छुप गयी थीं। खालिद ने बताया श्मदरसे के अभिलेखों की जांच शुरू कर दी गयी है। फिलहाल मदरसे को बंद करने के निर्देश दिए गये हैं।

मदरसा प्रबंधन से बच्चियों को सुरक्षित उनके घरों तक भिजवाने के लिए कहा गया है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि किसी बच्चे के अभिभावक, उप जिलाधिकारी या अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की ओर से अभी तक प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कोई तहरीर नहीं मिली है। उनके अनुसार, अगर कोई शिकायत मिलेगी तो कार्यवाही की जाएगी।

चोरी का सामान ले जा रहे बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने से एक घायल, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। खैरीघाट थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात पुलिस का सामना बदमाशों से हो गया। चोरी का सामान ले जा रहे बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की तो जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने भी दो चक्र फायरिंग की। इस दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हुआ है। पुलिस ने तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार किया है। भारी मात्रा में चोरी का माल भी बरामद हुआ है। तीन बदमाश रात में चोरी का सामान लेकर मुर्तिहा की ओर जा रहे थे। भनक लगने पर पुलिस टीम ने पीछा किया। उर्रा से नवबना मार्ग पर हरिबाबू बगिया के पास पुलिस ने घेराबंदी की। खुद को फंसा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्यवाई में लखीमपुर खीरी के थाना ईशानगर निवासी हिस्ट्रीशीटर छैलू उर्फ छैलबिहारी के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने मौके से उसके साथियों अरुण और तुलसीराम को भी दबोच लिया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो तमंचे, कारतूस, तीन मोबाइल, एक मोटरसाइकिल, चोरी के सोने चांदी के आभूषण और 17,600 रुपये नगद बरामद किए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह मोतीपुर इलाके में कई चोरियों को अंजाम दे चुका है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डीपी तिवारी ने बताया कि घायल बदमाश का इलाज सीएचसी मिहींपुरवा में कराया जा रहा है।

खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्ष लक्ष्य पूर्ति करें -डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। कार्य में तेजी लाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करने का निर्देश एक में बी, चार में सी और चार कार्यकर्मों में डी श्रेणी मिली है श्रावस्ती,संवाददाता। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्षों के पेंच को कार्य में तेजी लाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करने का सख्त निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान ज्ञात हुआ कि माह अगस्त 2025 में श्रावस्ती की विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंक चार है। श्रवस्ती को कुल 77 कार्यक्रमों में से 59 कार्यक्रमों में ए श्रेणी, 1 कार्यकमों में बी श्रेणी, 4 कार्यकमो में सी श्रेणी, 4 कार्यकमो में डी श्रेणी एवं 09 कार्यक्रमों में एनए प्राप्त हुआ है।

अतिरिक्त उर्जा, उद्यान, उर्जा, कृषि, ग्रामीण अभियंत्रण, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, पंचायती राज, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पशुधन, पिछडा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, श्रम एवं सेवायोजन, सहकारिता, सिचाई एवं जल संसाधन विभागो के कार्यक्रमो में ए ग्रेड प्राप्त हुआ है।

पीएनबी में 12 करोड़ के लोन घोटाले खुलासा, दो गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। पंजाब नेशनल बैंक की नहर बालागंज शाखा में 12 करोड़ 3 लाख 37 हजार रुपए का लोन घोटाला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक महेश त्रिपाठी और समरजीत सिंह को गिरफ्तार किया है।

पंजाब नेशनल बैंक सर्किल ऑफिस अयोध्या के चीफ मैनेजर की शिकायत पर विभागीय जांच हुई। जांच में पता चला कि फर्जी दस्तावेजों के जरिए बड़े पैमाने पर सरकारी ६ ान का गबन किया गया। इस मामले में 15 अगस्त 2025 को कोतवाली नगर बलरामपुर में शिकायत दर्ज कराई गई।

लखनऊ निवासी महेश त्रिपाठी ने अपने साथियों के साथ मिलकर बिना अनुमति के फर्जी दस्तावेज बनाए। 46 व्यक्तिगत लोन खातों से 8 करोड़ 9 लाख 87 हजार रुपए और 40 मुद्रा लोन खातों से 3 करोड़ 93 लाख 50 हजार रुपए निकाले। यह पूरी राशि ऑनलाइन और नकद भुगतान के जरिए समरजीत सिंह की कंपनी पीएसपी कंस्ट्रक्शन को भेजी गई।

इस मामले में कई लोगों को नामजद किया गया है। इनमें महेश त्रिपाठी, विनय कुमार शर्मा, संतोष गुप्ता, यशवंत कुमार, पूनम सिंह, वैभव सिंह और गोंडा निवासी समरजीत सिंह शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने विशेष टीम बनाई।

टीम ने 25 सितंबर को महेश त्रिपाठी और समरजीत सिंह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि दोनों ने मिलकर साजिश रची। फर्जी दस्तावेजों से लोन मंजूर कराए और पीएसपी कंस्ट्रक्शन के जरिए पैसे हड़प लिए।

आजम खान बीजेपी में आना चाहें तो स्वागत है –करन भूषण

संवाददाता–गोण्डा। जिले के नंदिनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में कैसरगंज से बीजेपी सांसद करण भूषण शरण सिंह ने 3 दिवसीय खेल महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने आजम खान और राहुल गांधी को लेकर भी बयान दिए हैं। राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि वे संसद में रोज धरना–प्रदर्शन करते हैं। उनके पास बीजेपी के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है। प्रधानमंत्री या बीजेपी पर आज तक कोई दाग नहीं लगा है। बिहार चुनाव के मद्देनजर वे सिर्फ मीडिया में जगह बनाना चाहते हैं। आजम खान के भाजपा में आने के सवाल पर सांसद ने कहा कि अगर वे पार्टी में आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है।

उन्होंने ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इस खेल महोत्सव में वजीरगंज और नवाबगंज ब्लॉक के 10,187 बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में दौड़, कबड्डी, खो–खो, वॉलीबॉल और क्रिकेट जैसे खेल शामिल हैं। यह आयोजन अलग–अलग तिथियों में अलग–अलग ब्लॉकों में कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों में 25 दिसंबर तक चलेगा। सांसद करण भूषण ने कहा कि प्रधानमंत्री का उद्देश्य देश के हर युवा को स्वस्थ बनाना है। यह खेलों के माध्यम से ही संभव है। आजकल बच्चे मोबाइल फोन का उपयोग बहुत करते हैं तो खेल के माध्यम से जुड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ही उद्देश्य है कि हर देश का युवा एक संगठित बने शिक्षित बने समर्थ बने।

भेड़िया के जबड़े से बेटे को खींच लाया परिवार परिवार ने दौड़ाकर लाठी मारी तो छोड़कर भागा

संवाददाता–बहराइच। बहराइच में भेड़िए ने एक और बच्चे पर हमला कर दिया। गुरुवार दोपहर 8 साल का बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। तभी दबे पांव भेड़िया आया और जबड़े से गर्दन जकड़ कर उसे लेकर भागने लगा। बच्चे की चीख सुनकर परिजन और गांव के लोग शोर मचाते हुए उसके पीछे दौड़े। भेड़िए को लाठी से मारा, तब बच्चे को छोड़कर खेतों की ओर भाग गया। भेड़िए के हमले से बच्चे के सिर पर गंभीर चोट आई है। सिर का मांस खेत में पड़ा मिला है। खून से लथपथ बच्चे को लेकर परिजन अस्पताल गए। फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। घटना कैसरगंज तहसील के मंझारा तौकली क्षेत्र के देवनाथ पुरवा गांव की है। भेड़िए के लगातार हमले से क्षेत्र में दहशत है। बुधवार को भेड़िया ने एक 3 साल के बच्चे को मार दिया था। उसका बायां हाथ खा गया था। भेड़िए के हमले से 10 दिन में 3 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि एक बच्चे का अब तक कुछ पता नहीं चला है। ग्रामीणों में भेड़िया का खौफ इतना है कि वे पूरी रात गोले दाग रहे हैं। भेड़िया को पकड़ने के लिए वन विभाग ने जाल लगाए हैं। लेकिन बुधवार रात दो भेड़िए जाल फाड़कर भाग गए। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दो भेड़िया भागते हुए दिख रहे हैं। वहीं, वन विभाग की लगातार नाकामी से ग्रामीणों में आक्रोश है।

देवनाथ पुरवा गांव में गुरुवार की दोपहर विजय का बेटा अनिकेश (8) घर के बाहर कंचे खेल रहा था। बाकी लोग घर के अंदर थे। इसी बीच भेड़िए ने हमला करके उसे जबड़े में जकड़ लिया और उसे लेकर भागने लगा। बच्चे की चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण लाठी–डंडे लेकर उसके पीछे भागे। लोगों ने दौड़ाकर भेड़िए को लाठी से मारा, तब घर से करीब 200 मीटर दूर बच्चे को छोड़कर भाग गया। हमले में मासूम का सिर बुरी तरह से जख्मी हो गया। सिर का कुछ हिस्सा खेत में अलग पड़ा मिला। गंभीर हालत देखते हुए उसे फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जिले में बीते 2 सप्ताह में भेड़िया 3 बच्चों की जान ले चुका है, जबकि एक बच्चा लापता है। सात से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ग्रामीण लाठी–डंडे और धारदार हथियार लेकर भेड़िए की तलाश कर रहे हैं। लगातार हो रहे हमलों से गांव के लोगों में नाराजगी है।

बच्चे की मां ज्ञानवती ने बताया– बच्चा घर के बाहर खेल रहा था, तभी भेड़िए ने उस पर हमला कर दिया। उसे खींचकर ले जाने लगा। 5 लोग उसके पीछे दौड़े। जब लाठी से जानवर को मारा, तो वो बच्चे को छोड़कर भाग गया। मंझारा तौकली के कई गांवों में भेड़िए का आतंक है। मांद मिलने के बाद वन विभाग ने पिंजरों की संख्या बढ़ाई है। लेकिन हमलों से दहशत कम नहीं हुई। ग्रामीणों के आक्रोश पर बुधवार की देर रात डीएम अक्षय त्रिपाठी ने मौके का दौरा किया। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सर्च ऑपरेशन तेज करने का आदेश दिया। ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए हर गांव में गोले दागे जा रहे हैं। गोला दगने से भेड़िया वन विभाग की ओर से लगाए गए बबूरी गांव में जाल को फाड़कर भागने में कामयाब हो गया। हर प्रकार की चौकसी के बावजूद अब तक किसी भेड़िए को पकड़ा नहीं जा सका है।

स्वदेशी मेले का आयोजनः राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने किया शुभारम्भ, स्थानीय कारीगरों ने लगाए स्टॉल

संवाददाता–श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट तथागत हॉल भिनगा में स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया जहाँ पर प्रदेश के राज्यमंत्री आबकारी नितिन अग्रवाल ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया।

बताते चलें की मेले का उद्देश्य लोगों में स्वदेशी की भावना जागृत कर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ना है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्वदेशी उत्पाद और हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। उन्होंने श्वोकल फॉर लोकलश पर जोर दिया।

जिला पंचायत के अनुसार, देश और प्रदेश सरकार स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग के लिए विशेष अभियान चला रही है। यह मेला स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और स्व–सहायता समूहों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है।

जिलाधिकारी ने स्थानीय नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और विदेशी वस्तुओं का आयात कम होगा।

मेले में उद्योग विभाग, ग्रामोद्योग, कृषि विभाग और पंचायतीराज विभाग ने स्टॉल लगाए। प्रभारी मंत्री, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने स्टॉल का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी मंत्री को गेहूं के डंठल से बनी कलाकृति भेंट की।

दिनदहाड़े घर में घुसे चोर, 90 हजार रुपए और सोने की अंगूठी लेकर छत के रास्ते भागे

संवाददाता–बहराइच। दरगाह थाना क्षेत्र के बक्शीपुरा चांदमारी मोहल्ले में चोरी की घटना सामने आई है। निजी अस्पताल में फार्मेसिस्ट के रूप में कार्यरत अमित मिश्रा के घर में चोरों ने दिन में वारदात को अंजाम दिया। घटना गुरुवार की है। सुबह करीब 9 बजे अमित अस्पताल चले गए थे। घर में उनकी पत्नी प्रियांशी अकेली थीं। दोपहर करीब 12 बजे चोर घर में घुस आए। चोरों की आहट सुनकर प्रियांशी ने पति को फोन कर सूचना दी। चोर कमरे का दरवाजा खोलने की मांग कर रहे थे। अमित ने पड़ोसियों को भी सूचना दी। लेकिन जब तक लोग मौके पर पहुंचे, चोर 90 हजार रुपए की नगदी और सोने की अंगूठी लेकर फरार हो चुके थे। चोरों ने छत पर रस्सी और साड़ी का सहारा लेकर भागने में सफलता पाई। दरगाह थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर परिवार से घटना की जानकारी ली।

खैर तस्करी में रेंजर का साथी निकला बड़ा अपराधी

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर–सोहेलवा वन क्षेत्र में खैर की अवैध तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। वन विभाग के रेंजर राकेश पाठक का करीबी साथी कलाम उर्फ कलाम बाबा वन विभाग की नजर में आया है। कलाम बाबा के खिलाफ वन विभाग के 135 मुकदमे दर्ज हैं।

भवनियापुर तुलसीपुर का रहने वाला कलाम बाबा बरहवा रेंज के जंगलों में रेंजर से मिलीभगत कर खैर के पेड़ों की तस्करी करता था। गिरोह एक विशेष रणनीति के तहत काम करता था। सदस्य पहले बाइक से रास्तों की रेकी करते थे। फिर मोबाइल के जरिए लकड़ी से भरे वाहनों को सुरक्षित निकालते थे।

इस मामले में पकड़े गए 19 आरोपियों में से कई 20–25 सालों से इस अवैध धंधे में शामिल थे। आरोपियों में श्रीमन नारायण शुक्ल उर्फ पिंटू, शंकर, आजाद चौहान, सुहेल अहमद, विमल कुमार पांडेय समेत कई लोग शामिल हैं। पिंटू शुक्ला और महबूब आलम सहित चार आरोपी पहले से ही जेल में हैं।

यह पहली बार है जब इस संगठित गिरोह पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई से वन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। प्रशासन को उम्मीद है कि इससे सोहेलवा जंगल क्षेत्र में अवैध कटान पर अंकुश लगेगा।

फाइनेंस कंपनियों की मनमानी के खिलाफ भाकपा का विरोध

संवाददाता–देवरिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। पार्टी का कहना है कि फाइनेंस कंपनियों के वसूली एजेंट किसानों और गरीब लोगों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। ऋण चुकाने के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। इससे गरीब परिवार तनाव में जी रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली योजना में गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया गया। उपभोक्ताओं को सही बिल नहीं मिल रहे हैं। मीटर रीडिंग में अनियमितताएं की जा रही हैं। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति भी चिंताजनक है।

नाबालिग बच्चियों से रेप के दोषी को उम्रकैद, कोर्ट ने सुनाई सजा, 1.60 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया

संवाददाता–बहराइच। नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने दोषी को कड़ी सजा सुनाई है। आरोपी अविनाश पांडेय को आजीवन कारावास की सजा के साथ 1 लाख 60 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मामला जून–जुलाई 2023 का है। सुजौली थाना क्षेत्र में 15 जून से 3 जुलाई के बीच चार नाबालिग बच्चियां अलग–अलग समय पर गायब हुईं। 28 जून को एक सात वर्षीय बच्ची रात में घर से गायब हुई। वह बाद में नहर के किनारे बदहवास हालत में मिली। पुलिस अधीक्षक बहराइच ने क्षेत्राधिकारी मिहीपुरवा श्रीमती हर्षिता तिवारी के नेतृत्व में पांच टीमों का गठन किया। स्वाट और सर्विलांस टीम भी जांच में शामिल की गई। क्षेत्राधिकारी तिवारी ने पीड़ित बच्चियों से बातचीत की। सभी बच्चियों ने आरोपी का एक जैसा हुलिया बताया।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सीताराम पुलिया के पास से अविनाश पांडेय को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने सभी वारदातों को अंजाम देना कबूल किया। आरोपी के मोबाइल से पीड़िताओं की अश्लील फोटो और वीडियो भी बरामद हुए, जो उसने खुद बनाए थे।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अगस्त में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। जिसके बाद आरोपी के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 137(2), 65(2), 115(2) बीएनएस व 5(एम)/6 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर उसे जेल भेजते हुए बीते अगस्त माह में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया ।

विशेष न्यायाधीश पॉक्सो दीपकांत मणि ने मामले की सुनवाई इस दौरान जिला शासकीय अधिवक्ता संत प्रताप सिंह व संतोष कुमार सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की ।

न्यायाधीश ने आरोपी को दोषसिद्ध मानते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है । इसके साथ ही उस पर एक लाख साठ हजार का जुर्माना भी लगाया है । आरोपी को सजा दिलाने में थाना प्रभारी सुजौली के साथ कोर्ट मोहर्रिर आरक्षी बृजेश कुमार साहनी व थाना पैरोकार विजय मौर्या का भी अहम योगदान रहा जिसके चलते आरोप पत्र दाखिल होने के मात्र 45 दिनों के अंदर आरोपी को सजा मिल सकी है ।

पंडित दीनदयाल त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति थे –संतराज यादव

संवाददाता–देवरिया। गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा कार्यालय में विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने गरीब व्यक्ति की चिंता को अपने जीवन का आधार बनाया। सदर सांसद शशांक मणि ने बताया कि पंडित जी स्वदेशी और लघु उद्योग के समर्थक थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्वदेशी अपनाने का आह्वान दीनदयाल जी के विचारों से प्रेरित है। विधान परिषद सदस्य डॉ. रतनपाल सिंह ने अंत्योदय की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान को प्राथमिकता दी। बरहज विधायक दीपक मिश्र ने कहा कि पंडित जी राजनीति को जन सेवा का माध्यम मानते थे।

जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल एकात्म मानववाद के प्रवर्तक थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के श्लोकल फॉर वोकलश अभियान में पंडित जी के विचारों की झलक होने की बात कही। कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने विचार रखे। संगोष्ठी का संचालन जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने किया।

भाजपा विधायक बावन सिंह ने विवाद को लेकर दिया बयान, कहा– भवानी भीख शुक्ला शिवपाल यादव से 3 बार मिल चुके, सपा से टिकट चाह रहे

संवाददाता–गोण्डा। कटरा बाजार से भाजपा विधायक बावन सिंह ने ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कटरा बाजार भवानी भीख शुक्ला द्वारा दिए बयान के बाद पलटवार करते हुए कई महत्वपूर्ण बातें कही और उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भवन सिंह ने कहा कि इस झगड़े को वह अधिक महत्व नहीं देना चाहते। उन्होंने कहाकि मैंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री से मुलाकात की है। अपने चार–पांच साथियों के साथ जाकर हमने पूरी बात विस्तार से बताई है। पार्टी ने मुझे निर्देश दिए हैं कि ज्यादा कुछ न बोलना हैय हम लोग धीरे–धीरे मामले को देखेंगे और मैं पार्टी के निर्देशों का पूरा पालन करूंगा। पार्टी हमारी मां है, पार्टी के विपरीत मुझे कुछ नहीं करना है। विधायक ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी समय मांगा है। कल अगर समय मिला और वहां से फोन आया तो हम मिलने के लिए जाएंगे और अपनी बात रखेंगे। मुख्य उद्देश्य यह है कि इस झगड़े के जरिए क्षेत्र का विकास और जनता की सेवा से हमें भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विरोधी खासकर समाजवादी पार्टी के लोग उल्टी–सीधी बातें फैला रहे हैं, जिसका जवाब उनके कार्यकर्ता दे रहे हैं और आगे भी देंगे।

भवन सिंह ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने उन पर फायरिंग का आरोप लगाया है, जो गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया, हमने कोई फायरिंग नहीं की है। पहले दिन उन्होंने कोई आरोप नहीं लगाया था। कुछ लोग उनके पीछे लगे हुए हैं। हमने अपनी तहरीर दे दी है पैय पुलिस जो काम कर रही है वह कर रही है। उन्होंने भवानी भीख शुक्ला और उनके परिजनों पर भी हमले किए और कहा कि उन्होंने जानबूझकर अराजकता पैदा की। उनके लड़के घमंडी हो गए हैं, उन्होंने गरीबी नहीं देखी है। मैंने पहले उन्हें उठाया और बनाया था, पर अब उनकी महत्वाकांक्षा जाग गई है। श्रष्टाचार करके, मनरेगा से लूटकर वे मालामाल हो गए हैं। भवन सिंह ने आगे आरोप लगाया कि 2021 में सपा के कुछ लोग पर्चा दाखिल कराने के समय ब्लॉक प्रमुख की गाड़ियों को तोड़–फोड़ कर तन मनोबल बढ़ाने की कोशिश में थे। उनका कहना था कि ब्लॉक समागार में तालाबंदी कर गुटबाजी के जरिए विधायक एवं उनके बेटे का अपमान करने का प्रयास किया गया। "हम लोगों को बेइज्जत करके बैजनाथ दुबे की तरह लूटा जाना चाहा गया। मैं समागार में बैठा था्य मेरे हाथ में कुछ नहीं था और मैं बाहर भी नहीं आया था कि मेरे पास असलहा था। भवन सिंह ने 2022 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भवानी भीख शुक्ला ने उनका जमकर विरोध किया था। उन्होंने बैजनाथ दुबे का भी उल्लेख करते हुए कहा कि वे तीन बार चुनाव हार चुके हैं और सपा से उन्हें टिकट मिलने की आशंका है।भवानी भीख शुक्ला ने सपा नेता शिवपाल यादव से दो–तीन बार मुलाकात की हैय उनका उद्देश्य हाईलाइट होना है। जिनको मैं आगे बढ़ाया है, आज उनकी महत्वाकांक्षा जागी है। अगर वे राजनीतिक वर्चस्व के लिए गुंडागर्दी करेंगे तो भाजपा के कार्यकर्ता दबेंगे नहीं। विधायक ने कहा कि हमारे सभी कार्यकर्ता संयम बनाए रखें और पार्टी के कार्यक्रमों में सहयोग करें। "राजनीतिक वर्चस्व की कोई लड़ाई नहीं है क्र मैं पांच बार का विधायक हूं और मुझे आशीर्वाद मिला है। उनके द्वारा की जा रही गुंडागर्दी, हमारे कार्यकर्ताओं को पीटना, गाली–गलौज यह बर्दाश्त नहीं होगा। वहीं, भाजपा सांसद करण भूषण सिंह के बयान का हवाला देते हुए विधायक ने कहा कि दोनों पक्ष मामले को शान्तिपूर्ण तरीके से सुलझाने की कोशिश करें।

दीपावली से पहले लाभार्थियों को मिलेगा पीएम आवास योजना लाभ

संवाददाता-अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तीन हजार पात्रों को दीपावली तक पहली किस्त का भुगतान बैंक खातों में मिल जाएगा। तीन नगर पालिका अकबरपुर, जलालपुर, टांडा तथा चारों नगर पंचायत के लाभार्थियों का चयन कर जिला शहरी विकास अभिकरण (डूडा) ने डिटेल्स प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर नगरीय निकाय निदेशालय लखनऊ भेजा है। साथ ही अन्य आवेदनों के लिए सत्यापन सर्वे तेजी से पूरा किया जा रहा है। शहर के जरूरतमंद गरीबों को दीपावली पर शासन आवास का उपहार देगा।

उम्मीद है धनतेरस तक योजना की पहली किस्त की धनराशि बैंक खाते में पहुंचेगी। प्रथम, द्वितीय व तीसरी किस्त प्राप्त होने के 12 माह के भीतर आवास निर्माण पूरा करने वाले लाभार्थियों को सरकार की तरफ से प्रोत्साहन के रूप में 10 हजार रुपये की अतिरिक्त धनराशि दिया जाएगा।

अकबरपुर, जलालपुर, टांडा तीन नगर पालिका व राजेसुल्तानपुर, अशरफपुर किछौछा, इल्तिफातगंज व जहांगीरगंज चारों नगर पंचायत से पीएम शहरी आवास योजना के तहत पक्का घर पाने के लिए 28 हजार 200 नागरिकों ने आवेदन किए हैं। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल आवेदन सर्वे कर पात्र व अपात्र चिन्हित के लिए टीम गठित किया है। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी, तहसीलदार, लेखपाल एवं डूडा के अधिकारी टीम में शामिल हैं। हर वार्ड में अधिकारियों की टीम भ्रमण कर रही है। भौतिक रूप से लाभार्थियों का सत्यापन किया गया है। योजना के तहत विधवा, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों, अनुसूचित जाति-जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग के आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। सत्यापन सर्वे के अनुसार तीनों नगर पालिका व चारों नगर पंचायतों से मिलाकर तीन हजार पात्रों को चयन कर लिया गया है। दीपावली पर्व तक लाभार्थियों के खाते में पहली किस्त की धनराशि डीबीटी के माध्यम से भेज दी जाएगी।

तीन हजार लाभार्थियों का डीपीआर तैयार कर निदेशालय भेजा गया है। धनतेरस एवं दीपावली तक योजना की पहली किस्त लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचेगी। शेष अन्य आवेदनों की सत्यापन प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। -बीना सिंह, नोडल अधिकारी डूडा।

जमीनी रंजिश में घर में घुसकर मारा पीटाः प्रशासन से न्याय की मांग

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के गुलहरिया गांव में गुरुवार को जमीनी रंजिश में मारपीट का मामला सामने आया है। गुलहरिया निवासी दिलीप सिंह पुत्र बुन्दबहादुर सिंह ने कलवारी पुलिस को दिये तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर गाव के ही सचिन सिंह, विपिन सिंह, पुत्र मनोज सिंह, एवं प्रमोद सिंह अमित सिंह मनोज सिंह पुत्र रामबहाल सिंह लाठी-डंडा, लोहे की रॉड, धारदार हथियार तथा अवैध असलहा से लैस होकर उनके घर में घुस आए। सचिन सिंह ने उनके पुत्र अंकित सिंह पर हत्या करने के नीयत से धारदार हथियार से सिर पर प्रहार किया। उसी दौरान अभियुक्त विपिन सिंह ने अवैध असलहे से गोली चलाकर हत्या करने का प्रयास किया, किन्तु गोली मिस हो गई।

इसके बाद असलहे के बट से उनके पुत्र अमित सिंह के सिर पर लगातार वार कर गंभीर चोटें पहुँचाई। घटना के दौरान गांव के दलित इंद्रेश पुत्र राम गणेश बीच-बचाव करने हेतु आए, जिन्हें भी अभियुक्तगण मनोज, प्रमोद व अमित सिंह ने बेरहमी से पीटा, जिससे उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई। इस हमले में उनके दोनों पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिनका जिला अस्पताल बस्ती में इलाज चल रहा है।

दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा का विशेष कार्यक्रम

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पल्टादेवी बूथ पर भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई। शोहरतगढ़ मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

मंडल अध्यक्ष ने कहा कि पंडित उपाध्याय का अंत्योदय का विचार भारतीय राजनीति और समाज के लिए मार्गदर्शक है। उनके सिद्धांत गरीब और वंचित वर्ग तक विकास पहुंचाने का संदेश देते हैं। कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के उपरांत कार्यकर्ताओं ने बूथ परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने क्षेत्र की सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि स्वच्छता में समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। भाजपाइयों ने कहा कि पंडित दीनदयाल के आदर्शों को आगे बढ़ाने और स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्याम कुमार जयसवाल, अभिषेक चौधरी, चंदन कुमार गिरी, सुधारक गिरी, राजेंद्र कुमार रूंगटा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहजनवा तहसील परिसर में लगी आग, तीन बाइकें जलकर खाक

संवाददाता-गोरखपुर। सहजनवा तहसील परिसर में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब टीन शेड में खड़ी तीन बाइकें अचानक आग की चपेट में आ गईं। धुआं उठते ही वहां मौजूद कर्मचारियों और अधिवक्ताओं में भगदड़ मच गई। कई लोग अपनी बाइकें समय रहते हटा ले गए लेकिन तीन बाइकें पूरी तरह जल गईं। जानकारी के अनुसार, दो बाइक तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष केके त्रिपाठी और एक बाइक तहसील कर्मचारी सनी कुमार की थी। आग की सूचना पर एसडीएम केशरी नंदन तिवारी, सीओ गीडा अरुण कुमार एस, तहसीलदार आर.के. कन्नौजिया, नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। तहसील परिसर के अधिवक्ता भवन में फायर सिस्टम तो लगा था, लेकिन हादसे के समय बेअसर रहा। अधिवक्ताओं ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि यदि सिस्टम सही से काम करता तो नुकसान टाला जा सकता था। प्रशासन ने फायर सिस्टम की तकनीकी जांच कराने का आश्वासन दिया है।

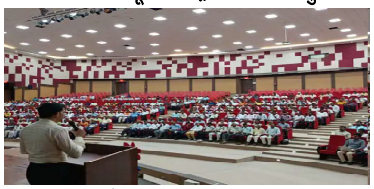

डीएम ने कोटेदारों से की अपील, राशन कार्ड से वंचित लोगों की सूची बनाएं, ग्रामीणों से सुझाव लें

संवाददाता-अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने राजकीय मेडिकल कॉलेज सदरपुर के ऑडिटोरियम में कोटेदारों के साथ बैठक कर उन्हें कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोटेदार अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे पात्र व्यक्तियों की सूची बनाएं, जो अभी तक राशन कार्ड से वंचित हैं। यह सूची संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को सौंपी जाएगी ताकि उन परिवारों को योजनाओं से जोड़ा जा सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जो परिवार राशन कार्ड की पात्रता श्रेणी में नहीं आते, उनकी फैमिली आईडी बनवाना अनिवार्य है। इसके माध्यम से वे सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने कोटेदारों से अपेक्षा जताई कि वे सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी रखें और ग्रामीणों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र परिवार योजनाओं से वंचित न रह सके। गुरुवार को बैठक में जिलाधिकारी ने शक्तिशित उत्तर प्रदेश/2047 योजना की भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि आजादी की शताब्दी वर्षगांठ तक उत्तर प्रदेश को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में न केवल विशेषज्ञों बल्कि आम जनता की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी ने कोटेदारों से अपील की कि वे ग्रामीणों को अपने सुझाव साझा करने के लिए प्रेरित करें, जिससे योजना को जनहित में और प्रभावी बनाया जा सके।

ट्रैफिक पुलिस ने 1562 वाहनों का काटा चालान, 27 सीज

संवाददाता-अम्बेडकरनगर। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 1 अप्रैल 2025 से विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना और सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाना है। अभियान के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों, नशे में ड्राइव करने वालों तथा तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक यातायात ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। 1 सितंबर से अब तक 1562 वाहनों का चालान किया गया है। इनमें से 89 वाहनों से 66,500 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया, जबकि 27 वाहन सीज किए गए हैं। नशे में वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। अब तक 342 चालकों की जांच की गई, जिनमें से 16 चालक नशे में पाए गए। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 1,60,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान के तहत 172 वाहन चालकों का चालान काटा गया है। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

स्कूलों में मिशन शक्ति अभियानः एएसपी ने कानूनी अधिकारों के साथ ही गुड टच-बैड टच की दी जानकारी

संवाददाता-संतकबीरनगर। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति 5.0 पर पुलिस जोर दे रही है। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने शनाबिल गर्ल्स इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना है। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098 शामिल हैं। कार्यक्रम में महिलाओं को साइबर अपराधों, घरेलू हिंसा और कानूनी अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया गया।

साथ ही गुड टच-बैड टच की जानकारी दी गई। थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों, महिला बीट अधिकारियों और एंटी रोमियो स्क्वॉड के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष दुधारा इंद्रभूषण सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पैम्फलेट भी वितरित किए गए।

मारकर भगाया जाएगा तो अयोध्या से भागना ही पड़ेगा विनय कटियार के बयान पर बोले इकबाल अंसारी

संवाददाता-अयोध्या। अयोध्या के बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने भाजपा के फायर ब्रांड नेता पूर्व सांसद विनय कटियार के बयान पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि अगर हमें मारकर अयोध्या से भगाया जाएगा तो हमें भागना ही पड़ेगा। अंसारी ने उप सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड पर निशाना साधते हुए कहा कि बोर्ड द्वारा प्रस्तुत नक्शा 'म्यूजियम' जैसा है और मुस्लिम समुदाय को वह स्वीकार्य नहीं। उनका कहना था कि बाबरी मस्जिद तो पहले भी मौजूद नहीं थी, इसलिए कहीं और मस्जिद बनाना अर्थहीन होगा। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व सांसद विनय कटियार के बयान के बाद गुरुवार को इकबाल अंसारी ने जवाब दिया है। उन्होंने रौनाही के धन्नीपुर गांव में मिली जमीन पर मस्जिद बनाने के बजाय वहां खेती करने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि खेत में उगाए गए अनाज को हिंदू और मुस्लिम गरीब परिवारों में बांट दिया जाना चाहिए। इकबाल अंसारी ने कहा कि वे ऐसी मस्जिद कतई नहीं चाहते जो धार्मिक भावनाओं का सम्मान न करे। उन्होंने यह भी कहा कि जमीन का सामाजिक और आर्थिक उपयोग ही बेहतर विकल्प है, जिससे स्थानीय जरूरतमंदों को लाभ पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड का प्रस्ताव समुदाय की वास्तविक अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

इससे पहले विनय कटियार ने बुधवार को अयोध्या स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत में बड़ा बयान दिया था। कटियार ने कहा कि जिन्हें मस्जिद चाहिए, उन्हें अयोध्या छोड़कर सरयू नदी के पार चले जाना चाहिए। धन्नीपुर में प्रस्तावित मस्जिद का नक्शा खारिज किए जाने के सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि मुसलमानों को अयोध्या के भीतर मस्जिद बनाने की जरूरत ही नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग बार-बार मस्जिद निर्माण की बातें कर रहे हैं, उन्हें "तनख्वाहिया" घोषित कर देना चाहिए। वह उनकी महाजिद थी लेकिन अब राम मंदिर बन चुका है तो उन्हें अयोध्या छोड़ देना चाहिए अयोध्या नगरी के अंदर उनका क्या काम है।

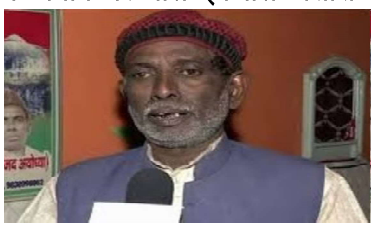

अश्लील और धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले गाने बजे डीजे मालिक जाएंगे जेल

संवाददाता-गोरखपुर। दशहरा और अन्य पर्वों के दौरान गोरखपुर महानगर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और अनुशासनहीनता को लेकर जिला प्रशासन सख्त हो गया है। सिविल सोसाइटी की मांग पर डीजे मालिकों और संचालकों से शपथ पत्र भरवाया जा रहा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों के पालन की बात कही गई है। शपथ पत्र में डीजे की ध्वनि 75 डेसिबल से कम रखने, अश्लील व धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले गाने न बजाने, सिर्फ दो साउंड बॉक्स के उपयोग और डीजे की ऊंचाई-चौड़ाई सामान्य रखने की जिम्मेदारी तय की गई है। बुधवार को राजघाट थाने में एसएचओ सदानंद सिंह और एएसआई अरविंद राम ने इस बाबत 50 की संख्या में अपने थाना क्षेत्र के डीजे संचालकों एवं आपरेटरों के संग बैठक की।

बैठक में डीजे मालिक मोहम्मद समीर ने शपथ पत्र में कहा है कि यदि किसी भी नियम का उल्लंघन हुआ तो वे स्वयं दंडनीय होंगे और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

बैठक में सभी से शपथ पत्र लिया गया। बैठक में डॉ पवन कुमार श्रीवास्तव, एडवोकेट एजाज रिजवी, हृदयेश सैनी, अजय कुमार गुप्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि पार्षद विजेंद्र अग्रहरी, पार्षद प्रतिनिधि दिनेश गुप्ता की अगुवाई में जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया था। उन्हें अवगत कराया गया था कि प्रतिमा विसर्जन मार्ग पर डीजे की तेज आवाज और चीनी बेस-बूस्टर स्पीकर से शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। तमाम घरेलू उपकरण तक क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। घरों में लगे कांच तक क्रेक कर जाते हैं।

बकायदा हाथों में तख्तियां लेकर डीजे के अत्यधिक उपयोग से मानव स्वास्थ्य, विशेष रूप से हृदय रोगियों, बच्चों और वृद्धों को हो रही क्षति की ओर ध्यान आकर्षित किया। उसके बाद कमिश्नर कार्यालय एसएसपी को भी ज्ञापन सौंप गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूर्व आदेशों के पालन की भी बात कही। ताकि पर्व शांतिपूर्ण और मर्यादित ढंग से मनाया जा सके।

छत की कुंडी से लटका मिला विवाहिता का शव

संवाददाता-संतकबीरनगर। थाना मेंहदावल क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान रीमा (24) के रूप में हुई है। रीमा का शव उनके घर में छत की कुंडी से साड़ी के सहारे लटका मिला। मृतका के भाई विजय साहनी ने बताया कि रीमा की शादी करीब तीन साल पहले रामकिशुन से हुई थी। घटना के समय पति रामकिशुन, ससुर हनुमान और देवर धीरेंद्र सूरत में थे।

घर पर केवल रीमा और उनकी सास मुराती देवी मौजूद थीं। सूचना मिलने पर पीआरवी, क्षेत्राधिकारी मेहदावल श्री सर्वदवन सिंह, नायब तहसीलदार और प्रभारी निरीक्षक मेहदावल श्री सतीश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए खलीलाबाद भेजा गया है। मृतका के परिवार ने कोई कानूनी कार्रवाई न करने की लिखित सूचना दी है। फिलहाल मौके पर स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि दंपति का कोई संतान नहीं थी।

अयोध्या में फिल्मी रामलीला की धूम, मिस यूनिवर्स इंडिया मणिका माता सीता की भूमिका में नजर आईं

संवाददाता-अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में इस समय फिल्मी रामलीला की धूम है। फिल्मी रामलीला के तीसरे दिन सीता स्वयंवर के प्रसंग का मंचन हुआ। सीता की भूमिका में मिस यूनिवर्स इंडिया मणिका नजर आईं तो रावण के रोल में टीवी कलाकार विजय कौशल ने अपना कौशल दिखाया। फिल्मी रामलीला का यह सातवां संस्करण है, जो राम कथा पार्क में चल रहा है। इससे पहले सफलतापूर्वक फिल्मी रामलीला ने छह साल का अपना सफर पूरा किया है। इस फिल्मी रामलीला में मिस यूनिवर्स इंडिया मणिका, बिंदु दारा सिंह, अवतार गिल, राकेश बेदी, मनोज तिवारी, रवि किशन और पुनीत इस्सर जैसे कलाकार अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। ये वो कलाकार हैं जो फिल्मी पर्दे पर धूम मचाने के बाद अब मंच पर अपना जौहर दिखा रहे हैं। इसके आयोजक सुभाष मालिक है जो पिछले छह साल से अयोध्या में फिल्मी रामलीला का आयोजन करते आ रहे हैं। अयोध्या पहुंचे कलाकार रामलला के दर्शन कर अभिभूत नजर आए और अयोध्या की खूब तारीफ की।

मां बटबासनी मंदिर में दीप उत्सव की तैयारी

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के ऐतिहासिक सिद्ध पीठ मां बटबासनी गलापुर स्थान पर 27 सितंबर को दीप उत्सव और जागरण का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम शनिवार को पंचमी तिथि पर होगा। लगभग 2000 वर्ष पुराने इस मंदिर में कई वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2017 अनुक्रमांक 2243074 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 2019 अनुक्रमांक 2360023 का अंक पत्र, सह अंक पत्र- प्रमाण-पत्र वास्तव में खो गया है।

(मोहम्मद असद)
पुत्र मोहम्मद आजम
मोहल्ला बेलवाडाडी
वार्ड नम्बर 18
पोस्ट- गांधीनगर
जनपद बस्ती (उ.प्र.)
मो0 9161257230

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0-295/2025
रईस अहमद
बनाम
सैय्यद अली उर्फ चांद आदि
1. सैय्यद अली उर्फ चांद 2. जावेद अख्तर उर्फ राजा 3. शहजादे पुत्रगण मोहम्मद अली 4. नूरजहाँ पत्नी मोहम्मद अली साकिन पक्का बाजार गांधी नगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 29-10-2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0-725/2023
जगपत आदि
बनाम
भगौती प्रसाद आदि
1. भगौती प्रसाद 2. काशी प्रसाद 3. अष्टभुजा प्रसाद 4. कृष्णमुरारी 5. शत्रुघ्न प्रसाद पुत्रगण राम अजोर मिश्र 6. राजेश्वरी प्रसाद 7. अर्जुन प्रसाद पुत्रगण मंगल प्रसाद 8. सुमित्रा पत्नी अश्वत्थामा निवासीगण ग्राम कनैथू बुर्जुग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 17-11-2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत-श्रीमान अपर जिला जज महोदय प्रथम बस्ती जिला-बस्ती
सिविल प्रकीर्ण वाद सं0-50/2022
राम अधार तिवारी
बनाम
राजीव त्रिपाठी उर्फ गिरीश तिवारी
1. सुरेन्द्रनाथ पुत्र राम प्रताप निवासी ग्राम रठौली तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 28-10-2025

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 28 माह 10 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती
मुतफरका वाद सं0-103/2022
वाद सं0-770/2017
बच्चूलाल
बनाम
रामविलास आदि
1.रामविलास पुत्र ज्ञानदास 2. मृतक रामपूजन
2/1 सुनील 2/2 लक्ष्मन 2/3 छोटई पुत्रगण राम पूजन साकिनान मौजा अतरडीहा तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2/4 इसलावती पत्नी राम पूजन 3. लालबहादुर 4. मोती पुत्रगण ज्ञानदास 5. सोना पत्नी लखन साकिनान मौजा अतरडीहा तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 30-09-2025

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 30 माह 09 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक-**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक-**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com